बुआ का दूध और चूत

“हैलो, मेरा नाम रोहित है। यह मेरी पहली प्रेम कहानी है, आशा है आपको अच्छी लगेगी। बात उन दिनों की है, जब मैं नया नया जवान हुआ था और 12 वीं के इम्तिहान देकर छुट्टियाँ मना रहा था। मेरे इम्तिहान से कुछ समय पहले सर्दियों में मेरी बुआ जी ने एक बच्चे को जन्म दिया […] …”

Story By: (docyash64)
Posted: Friday, April 18th, 2014
Categories: चाची की चुदाई
Online version: बुआ का दूध और चूत

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

बुआ का दूध और चूत

हैलो, मेरा नाम रोहित है। यह मेरी पहली प्रेम कहानी है, आशा है आपको अच्छी लगेगी।

बात उन दिनों की है, जब मैं नया नया जवान हुआ था और 12 वीं के इम्तिहान देकर छुट्टियाँ मना रहा था।

मेरे इम्तिहान से कुछ समय पहले सर्दियों में मेरी बुआ जी ने एक बच्चे को जन्म दिया था जिसकी मृत्यु जन्म से समय ही हो गई थी। तभी मेरी बुआजी के घर से फ़ोन आया कि फ़ूफ़ाजी कुछ समय के लिए बाहर जा रहे हैं, तो रोहित को यहाँ भेज दो।

मेरी बुआजी से काफी पटती थी। उन की उम्र 30 साल थी और 6 साल पहले ही उनकी शादी हुई थी। देखने में वो बहुत सुन्दर थीं। मैं उन के घर जाने के नाम पर बहुत खुश था। बुआजी मुझे प्यार भी बहुत करती थीं।

मेरा मन उन दिनों कुछ अजीब सा रहता था और लंड भी खड़ा होने लगा था। एक-दो बार हस्तमैथुन भी किया था, लेकिन उसके बाद तो और अजीब लगता था। बुआजी के घर जाकर शायद मन कुछ ठीक हो जाए, ये सोच कर भी खुश था।

अगले ही दिन मैं बुआजी के पास पहुँच गया। वहाँ जाने पर बुआजी मुझ से बड़े प्यार से मिलीं। वो तो और भी सुन्दर लगने लगी थीं और बड़ी सेक्सी लग रही थीं। उनके मम्मे और कूल्हे तो बहुत ही मस्त लग रहे थे। उनको देख कर मुझे फिर अजीब सा लगने लगा और बदन में कुछ चीटियाँ सी चलने लगीं लेकिन बुआजी कुछ उदास लग रही थीं।

शाम को नाश्ता करने के बाद मैंने बुआजी से उसका कारण पूछा तो वो रोने लग गईं। यह देख कर मेरे भी आँसू निकल आए।

बुआजी ने मुझे प्यार से अपने गले लगा लिया और बोलीं- तू आ गया है न.. तो मेरी उदासी दूर हो जाएगी।

अगले दिन मैंने नोट किया कि 3-4 घण्टों बाद बुआ जी का ब्लाऊज गीला हो जाता था तो बाथरूम जाती थीं, मैंने पता लगाया कि बाथरूम में बुआ अपने मम्मे दबा कर के दूध निकालती थीं। वे काफी परेशान लग रही थीं।

2-3 दिन बाद उनकी एक सहेली आई, तो उसके साथ वो अपनी इस समस्या के बारे में बातचीत कर रही थीं कि हाथ से दूध निकालने में बड़ी दिक्कत होती है। मैं उनकी कुछ बातें सुन रहा था।

थोड़ी देर बाद उनकी सहेली ने मुझे बुलाया और कहा- रोहित तुम्हें पता है कि तुम्हारी आंटी परेशान हैं ?
“जी !”
“क्या तुम एक मदद करोगे ?”
“क्या ?” मैंने पूछा।
“तुम्हारी बुआ का दूध बंद नहीं हो रहा और वो बड़ी तकलीफ में हैं। क्या तुम आंटी का दूध पी लोगे ? उससे इसकी तकलीफ कुछ हद तक दूर हो जाएगी।”

यह सुन कर मेरा मन कुछ अजीब हो गया और मैं वहाँ से बिना कोई जवाब दिए दूसरे कमरे में आ गया।

थोड़ी देर में जब बुआजी की सहेली चली गईं, तो बुआजी मेरे पास आईं और कहने लगीं- सॉरी.. पर प्लीज तुम यह बात किसी से कहना नहीं, मैं तकलीफ में हूँ इसलिए उसने ऐसा कहा।
तब तक मैं भी कुछ सोचने लगा था।

मैंने कहा- नहीं बुआ.. ऐसा कुछ नहीं। मुझे तो यह बुरा लगा कि ये सब उन्होंने मुझसे कही.. जबकि आप खुद भी तो कह सकती थीं। मैं आपके लिए कुछ भी कर सकता हूँ।
“सच ?”
हाँ जी..

यह सुन कर वो बहुत खुश हुईं, थोड़ी देर में वो फिर बाथरूम जाने लगीं, तो मैंने पूछा- कहाँ जा रही हो ?
तो वो कुछ नहीं बोलीं.
मैंने कहा- बुआ मैं हेल्प करूँ क्या ?

तो वो चुपचाप मेरे पास आ गईं और बोलीं- ये सब तेरे और मेरे बीच ही रहेगा.. प्रोमिस करो।
मैंने बुआ का हाथ पकड़ कर कहा- कसम से।

बुआ ने अपना कुर्ता ऊपर करके ब्रा में से अपना उरोज निकाला..
हय, क्या मस्त था वो नज़ारा…!
गोरा रंग, गुलाबी किशमिश, मैं उसे मुँह में लेकर चूसने लगा। बारी-बारी से मैंने दोनों मम्मों को चूसा, चूसते-चूसते मेरा लंड खड़ा होने लगा।

थोड़ी देर चुसवाने के बाद बुआ ने कहा- बस…! आज कितने दिनों बाद एक राहत सी मिली।
मैंने कहा- बुआजी आप को कोई तकलीफ नहीं होने दूँगा।

फिर बुआ घर के काम में लग गईं। रात को सोने से पहले बुआ ने फिर मुझे बुलाया। बुआ लेटी हुई थीं। मैं भी पास में ही लेट गया और बुआ ने अपना कुर्ता ऊपर करके ब्रा हटाई लेकिन इससे उनको थोड़ी तकलीफ होने लगी.

मैंने कहा- बुआ, यह कुर्ता उतार दो ना !
और मैं कुर्ता उतारने में बुआ की मदद करने लगा।

कुर्ता उतार कर मैंने कहा- बुआ इसे भी (ब्रा) उतार दो ना ! बाद में पहन लेना।
फिर बुआ ने ब्रा का हुक खोल कर वो भी उतार दी और मैं मस्त हो कर एक दूद्दू चूसने लगा और दूसरे मम्मे को हाथ में लेकर सहलाने लगा। ऐसे मैंने दोनों मम्मों को चूसा। चूसते हुए मेरा लंड बिल्कुल सख्त हो गया और बुआ की जाँघों से लगने लगा।

बुआ के मुँह से भी धीमी-धीमी 'आहें' निकल रही थीं।
मैंने पूछा- क्या तकलीफ हो रही है ?
तो बुआ ने कहा- नहीं, आराम मिल रहा है।
मैं काफी देर तक मम्मे चूसता रहा, बुआ ने भी मना नहीं किया।

मैंने महसूस किया कि बुआ की कैपरी गीली-गीली सी हो रही थी।
मैंने पूछा- बुआ ये क्या हो रहा है ?
मुझे ये अच्छा लग रहा है न ! इसलिए थोड़ा गीलापन आ गया है।
ओह..!

फिर बुआ ने मेरे शॉर्ट्स के ऊपर से मेरे लंड पर हाथ फेरा और बोलीं- पर तुझे क्या हुआ ?
मैंने कहा- पता नहीं बुआ.. जब भी मैं आप का दूध पीता हूँ तो ये हो जाता है।
क्या बुरा लगता है तुझे ?
नहीं बुआ.. पर आप हाथ लगा रही हो.. तो बहुत अच्छा लग रहा है।
अच्छा तो एक बार देखने दे मुझे ! बुआ ने कहा।
नहीं बुआ, शर्म आती है।
अरे हम दोनों के बीच ही तो रहेगा ये सब..! ये कह कर बुआ ने मेरा शॉर्ट्स उतार कर मेरा लंड निकाल कर अपने हाथ में ले लिया।

अरे, यह तो बहुत ही अच्छा है।

मेरा लंड और कड़ा हो गया। मैं भी बुआ की टाँगों पर हाथ फेरने लगा।
बुआ तुम भी तो दिखाओ.. कहाँ से गीलापन आ रहा था।
मेरे ऐसा कहने पर बुआ ने अपनी कैपरी उतार दी।

वाओ.. ! बिल्कुल चिकनी चूत मेरी आँखों के सामने थी। मुझे ये सपना सा लग रहा था।
बुआ ने मेरा हाथ पकड़ कर अपनी चूत पर रखा। वो गीली और गर्म थी।
बुआ ने पूछा- कैसा लग रहा है ?
बहुत अच्छा।
और मज़ा लेना चाहते हो ?
वो कैसे बुआ ?
ये जो तुम्हारा है न..! जब इस में जाएगा तो बहुत मज़ा आएगा।
कैसे बुआ ?

मेरे ऐसे कहने पर बुआ ने मुझे अपने ऊपर आने को कहा और खुद टाँगें खोल कर लेट गईं।
मेरे ऊपर लेटने पर… !
आगे आप खुद समझ सकते हैं… आगे का हाल क्या हुआ होगा।
आपके ईमेल के इन्तजार में आपका रोहित
docyash64@gmail.com

Other stories you may be interested in

बहन बनी सेक्स गुलाम-1

फ्रेंड्स, मेरा नाम विशाल है। मैं बी.टेक. फाइनल ईयर में हूँ। यह कहानी मेरी और मेरी बहन की है। मैं अपनी बहन को काफी दिनों से चोद रहा हूँ। इसके बारे में मैं आपको अगली कहानियों में बताऊंगा कि हम […]
Full Story >>>

चाची ने रबड़ी लगाकर चूत चाटना सिखाया

सभी आंटियों, भाभियों और जवान कड़क लौंडियों को मेरे खड़े लंड की तरफ से नमस्ते. मैं राहुल अपनी और अपनी चाची की चुदाई लेकर फिर से हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी चाची ने चूत चुदाई करवा के मर्द बनाया में […]
Full Story >>>

भाई के दोस्त ने मुझे चोद दिया

मेरा नाम रिया है. मेरी हाइट अच्छी है और मेरी फिगर भी अच्छी है. मैं दिखने में भी बहुत अच्छी हूँ. मेरी सहेलियों में मैं सबसे अच्छी लगती हूँ. मेरी सहेली मेरे घर आती हैं तो हम सब लोग एक […]
Full Story >>>

चाची ने चूत चुदाई करवा के मर्द बनाया

यह एक सच्ची घटना है, जो मेरे साथ पाँच साल पहले घटी थी. जब मेरा पहला सेक्स चाची के साथ हुआ था. इस घटना में मैं आपके साथ अपना वो अनुभव साझा करना चाहता हूँ कि कैसे मेरी चाची ने […]
Full Story >>>

गर्लफ्रेंड की सहेली की चूत चुदाई

नमस्कार दोस्तो, मैं टोनी सोनीपत हरियाणा से। मेरी पिछली रचना दोस्त की बहन की जबरदस्त चुदाई को पसंद करने के लिए आप लोगों का तहेदिल से आभार। मेरी एक और कहानी गर्लफ्रेंड को पहली बार चोदा के लिए बहुत सारे […]
Full Story >>>